वर्ष 2018 के परीक्षा केन्द्रों के निर्धारण हेतु विद्यालयों की आधारभूत सूचनायें निम्नानुसार परिषद की वेबसाइट पर अपलोड कराई जायेंगी :–

1– विद्यालयों की स्थिति (अक्षांश/देशान्तर) को मोबाइल एप द्वारा अपलोड करना :– परीक्षा केन्द्रों के निर्धारण हेतु विद्यालयों के मध्य सम्पर्क मार्ग से न्यूनतम दूरी ज्ञात करने हेतु जनपद के प्रत्येक विद्यालय की स्थिति अर्थात उसका अक्षांश एवं देशान्तर परिषद की वेबसाइट पर अपलोड कराने हेतु upmsp नाम से एक मोबाइल एप तैयार कराया गया है जो परिषद की वेबसाइट upmsp.edu.in पर उपलब्ध है।

विद्यालयों के प्रधानाचार्य को सर्वप्रथम एन्ड्रायड वर्जन 5.0 या उससे ऊपर के मोबाइल फोन से परिषद की वेबसाइट पर जाकर "मोबाइल एप डाउनलोड" करने सम्बन्धी निर्देश पर टैप/क्लिक करके अपने विद्यालय की यूजर आई0डी0 एवं पासवर्ड से लॉगइन करते हुये इस एप को अपने एन्ड्रायड मोबाइल फोन में डाउनलोड करना होगा। **मोबाइल का एन्ड्रायड वर्जन 5.0 से कम होने पर यह एप कार्य नहीं करेगा।**

मोबाइल फोन में मोबाइल एप डाउनलोड एवं इंस्टाल हो जाने के पश्चात प्रधानाचार्य का यह दायित्व होगा कि वह अपने संचालित विद्यालय के प्रांगण में जायें और वहाँ से ही अपने एन्ड्रायड मोबाइल फोन में इस एप को खोलें। यहाँ पुनः विद्यालय को अपनी यूजर आई0डी0 एवं पासवर्ड से लॉगइन करना होगा। लॉगइन करने पर सुरक्षा के दृष्टिकोण से परिषद की वेबसाइट पर प्रधानाचार्य के पूर्व से पंजीकृत मोबाइल फोन पर एक ओ0टी0पी0 (वन टाइम पासवर्ड) जायेगा, जिसे ओ0टी0पी0 वाले बाक्स में अंकित करके लॉगइन करते ही मोबाइल पर एक मैप प्रदर्शित होगा जिसमें विद्यालय की वास्तविक स्थिति एक नीले रंग के बिन्दु (ब्लू स्पॉट) के रूप में दिखाई देगी। इसी नीले बिन्दु के साथ एक गुलाबी/लाल रंग का लोकेशन प्वाइंटर 📍 भी दिखाई देगा। **इस लोकेशन प्वाइंटर की नीचे वाली टिप को अनिवार्य रूप से विद्यालय की वास्तविक स्थिति को प्रदर्शित करने वाले नीले बिन्दु के ऊपर ही होना चाहिये।** गुलाबी/लाल रंग का यह लोकेशन प्वाइंटर विद्यालय की स्थिति से यदि इधर–उधर होगा तब उस स्थिति में लोकेशन Save करने पर विद्यालय का अक्षांश एवं देशान्तर गलत दर्ज/अपलोड हो जायेगा। अतः मोबाइल की स्क्रीन पर विद्यालय का मैप देखने अथवा टच करने के दौरान मोबाइल स्क्रीन पर यदि यह लोकेशन प्वाइंटर कहीं अन्यत्र खिसक जाता है तब उसे विद्यालय की वास्तविक स्थिति अर्थात नीले बिन्दु पर लाने हेतु इस नीले बिन्दु पर उंगली से टैप करना होगा जिससे इस लोकेशन प्वाइंटर की टिप नीले वाले बिन्दु पर आ जायेगी।

यदि त्रुटिवश विद्यालय से अन्यत्र किसी स्थान से उस स्थान की लोकेशन Save कर दी गई है तब उस स्थिति में सही स्थिति से अर्थात विद्यालय के प्रांगण में जाकर उपर्युक्त क्रियाविधि के अनुसार विद्यालय की लोकेशन को पुनः Save कर किया जाय, जिससे विद्यालय का अक्षांश एवं देशान्तर बिल्कुल सही–सही दर्ज हो सके।

यदि किसी क्षेत्र में नेटवर्क का अभाव है तो किसी अन्य सर्विस प्रोवाइडर के वाई–फाई नेटवर्क का प्रयोग किया जा सकता है। अन्यथा स्थिति में विद्यालय के आसपास किसी दूसरे स्थान पर जा कर जहां नेटवर्क उपलब्ध है उस स्थान से लागइन करके प्रश्नगत विद्यालय की लोकेशन को खोजकर एवं उसमें विद्यालय की बिल्कुल सही सही पहचान करके वहां पर लोकेशन प्वाइंटर ला कर विद्यालय का अक्षांश एवं देशान्तर दर्ज कराया जा सकता है।

इस दर्ज हुये अंक्षाश एवं देशान्तर को परिषद की वेबसाइट पर विद्यालय के होम पेज में "परीक्षा केन्द्र निर्धारण सम्बन्धी सूचनाओं" एवं "विद्यालय के विवरण" के अन्तर्गत देखा जा सकता है।

मोबाइल एप में यूजर आई0डी0 एवं पासवर्ड अंकित करने पर यदि लॉगइन नहीं होता है और **'credential error'** प्रदर्शित होता है तब उस स्थिति में तत्काल इस मोबाइल एप को परिषद की वेबसाइट से दुबारा डाउनलोड करके इस्टाल कर लिया जाय। यह एरर उस स्थिति में भी प्रदर्शित होगी जब विद्यालय की यूजर आई0डी0 अथवा पासवर्ड गलत होगा। पासवर्ड यदि भूल गये हों तो इसे वेबसाइट से ही आप स्वयं रिसेट कर सकते हैं अथवा जिला विद्यालय निरीक्षक के यहां से रिसेट करा सकते हैं।

2– विद्यालय के भौतिक संसाधनों से सम्बन्धित आधारभूत सूचनायें अपलोड करना :–

उपर्युक्तानुसार जनपद के प्रत्येक विद्यालय का अक्षांश एवं देशान्तर मोबाइल एप द्वारा Save कर देने के पश्चात विद्यालय की कतिपय आधारभूत सूचनायें यथा उनके यहाँ शिक्षण कक्षों की संख्या, फर्नीचर की संख्या, विद्यालय का फोटोग्राफ आदि को भी परिषद की वेबसाइट पर "परीक्षा केन्द्र निर्धारण सम्बन्धी सूचनाओं" के अन्तर्गत अपलोड/अपडेट करना अनिवार्य है। यह ध्यान रहे कि ये सभी सूचनायें शत प्रतिशत शुद्ध एवं सही हों। क्योंकि इन्ही सूचनाओं के आधार पर परीक्षा केन्द्रों के निर्धारण की कार्यवाही की जायेगी। यदि इन सूचनाओं में कोई भी सूचना गलत अथवा भ्रामक होगी जिससे कि परीक्षा केन्द्र निधारण का कार्य कुप्रभावित होगा तो इसके लिये सम्बन्धित विद्यालय के प्रधानाचार्य सीधे तौर पर उत्तरदायी होगें।